

पाथ को विवा हात हा ता नु रा

85

२ श्री कृष्ण भगवत्
२ श्री देवी भगवत्
२ श्री लक्ष्मी भगवत्
२ श्री गणेश भगवत्

2105 I

ASMA ARCHIVES

रुद्र॥ इत्यादि आस॥ अर्घ्यपात्र पूजनं॥ ॐ गंगायै २॥ ॐ यमुनायै २॥
ॐ गोदावरी २॥ ॐ सरस्वती २॥ ॐ नर्मदायै २॥ ॐ सिंधवे २॥ ॐ कर्पू-
री २॥ आवाहनादि॥ (धनू मूढा॥ अर्घ्यपात्र तं खन लाय॥ ॐ उरुन॥
निखन जाता रू म्यां पर्वत वासिनी॥ मद्रूपा निहमरा नामद्रूपं ममर्गं
जलं॥ जगनर्गं॥ खाननद्रूपा॥ ॥ तमा द्वात्रपूजा॥ ॐ पूर्व द्वात्राय २॥
ॐ तामुतात्राय २॥ ॐ ऊयाय २॥ ॐ विजयाय २॥ ॐ द्वात्रमध्या २॥ ॐ वे-
दुष्टाय २॥ ॐ दक्षिण द्वात्राय २॥ ॐ आर्यमतात्राय २॥ ॐ चक्षुषाय २॥

ॐ पुचन्द्राय २॥ द्वात्रमध्या॥ ॐ वनाहाय २॥ ॐ यक्षिम द्वात्राय २॥ ॐ त्रौष्ट-
मतात्राय २॥ ॐ धार्य २॥ ॐ विष्णवे २॥ ॐ द्वात्रमध्या कपिलाय २॥ ॥
ॐ उरुन द्वात्राय २॥ ॐ ह मतात्राय २॥ ॐ विष्णवे मय २॥ ॐ ऊयायात्रा-
य २॥ द्वात्रमध्या॥ ॐ ननसिंहाय २॥ ॐ आर्यमतात्राय २॥ ॐ गङ्गा-
य २॥ आवाहन॥ ॐ आगच्छतु गवन् विष्णु सर्वदा सर्वदुग्धिला॥ तस्याद-
कमलं रूपा पूजयामि सूत्रं च॥ तमा ध्या नं य॥ ॐ विष्णुं तस्य लि-
नीनामं उवतय ग साकत्यहा रादनाधि॥ (धु) सीतलं खवक्षाम लिखक

नामकरणंक० फलप्राशनंक० अन्नप्राशनंक० तिःक्रमणंक० वृडाकरणंक० उपनयनंक० वेदाध्ययनंक०
समावर्तनंक० गोदानंक० विवाहंक०

नामकनदी रुत पावन नून पावन नून कर्तु बुत वचन ॥ जाना वि
वाहा चतुर्थी दीक्षा पदान ॥ गतिकर्म कृत्वा ॥ कृष्णाय नमः सनमः ॥ ॐ हूँ
मासन हगन श्री कृष्णाय ॥ वसु ॥ ॐ हूँ दं हगवत श्री कृष्णाय वसुं ॥ चन्दन
ॐ ॐ हूँ दं हगवत श्री कृष्णाय चन्दनं ॥ जाना ॥ ॐ ॐ हूँ दं हगवत श्री कृष्णाय
झायवीतकं ॥ नसाक ॥ ॐ ॐ हूँ दं हगवत विनयनं ॥ यजमका ॥ ॐ ॐ
दं हगवत श्री कृष्णाय यझायवीतकं ॥ खान ॥ ॐ ॐ हूँ दं हगवत श्री कृष्ण
ययुसां ॥ ॐ ॐ हूँ दं हगवत श्री कृष्णाय ययुसां ॥ ॐ ॐ हूँ दं हगवत श्री कृष्णाय ययुसां

नी। ५३२॥ यथा॥ ॐ ह्रूं हं हं हं श्रीकृष्णाय नमः पूर्णं ॥ जीत स्वान ॥ ॐ
 ह्रूं हं हं हं श्रीकृष्णाय नमः पूर्णं नमः ॥ धवन स्वान ॥ ॐ ह्रूं हं हं हं
 तं श्रीकृष्णाय नमः पूर्णं ॥ ॐ वाक्स्व नमः कर्तृतां काय ॥ ॐ ज्ञानाय ज्ञान
 स्वराय ज्ञानमयं ज्ञानमं हं वाक्स्व नमः ॥ ॐ निजिवात्र पूजा ॥ दादम
 मूर्तिपूजा ॥ ॐ कं न वाक्स्व श्रीसहिताय ॥ ॐ नाताय नमः वाक्स्व नी
 सहिता ॥ ॐ माधवाय काकि सहिताय ॥ ॐ लम विन्दाय विद्याम
 हिताय ॥ ॐ विष्णवे नीकि सहिताय ॥ ॐ मधुसूदनाय धृति सहि

ताय २॥ ॐ त्रिविक्रमाय ॐ साहिनाय २॥ ॐ वामनाय प्रीति सहिता
य २॥ ॐ श्रीधराय नगी सहिताय २॥ ॐ हृषीकेशाय माया सहिताय २॥
ॐ यक्षनायाधी मता सहिताय २॥ ॐ दामादनाय महिमा सहिताय
२॥ ॐ पूरुषाकृमाय लक्ष्मी सहिताय २॥ ॐ श्री रामाय गीता सहिताय २॥
श्रीवाहनादि ॥ धूप ॥ ॐ ह्रीनाय ह्रीनश्च नाय ह्रीनयतय ह्रीनसंहवा
य ॥ गविन्दाय धूपं नमो नमः ॥ दीर्घं ॥ ॐ ह्रीनाय ह्रीनश्च नाय ह्रीनय
तय ह्रीनसंहवाय ॥ गविन्दाय दीर्घं नमो नमः ॥ ॥ धवाक्षी नैव प्ररुत

ताम्र ॥ गताः ॥ धीकाय ७॥ ॐ नृधवागुरुकल्या ॥ ॐ नृधादि ॥ यजुमा
नस्य ऊन्माहूमी बुधनिमित्तार्थं श्रीकृष्णाय सां गताय प्रगल्भस्य त्रिः
वाताय ॐ दमर्षं गृह्णाह्वार ॥ ॐ ज्ञानकंद वधार्थं य हलागो इ
नक्षायय गृह्णानार्थं मया दक्षं दवकी सहित ॥ यथा ॥ ह गवर्ग श्रीकृष्ण
यनमः ॥ गाय हानि युमिष्ठा ॥ ॐ मनाई ति ॥ मधुत ॥ जाय ॥ फाय ॥ ॐ
नमः कृष्णाय ॥ नृनर्घं वामनं विष्णुं वै कृष्णं पूरुषाकृमाय वा नार्हं पूरुषी
काक्षी नृसिंहं देव्यं सुदनीं दामादेनं यक्षनाहं कंदर्पं गत्र उच्यते ॥
वासुदेवं हृषीकेशं माधवं मधुसूदनं २॥

श्री

गमविन्द मयुगं कृष्णं मनमं मयनाजिगं ॥ त्र (भाऊजं जगदीजं स्वर्गहि
त्यं ककावीर्यं ॥ शिविकर्म व साकर्णं ना नायय चतुर्गुजं ॥ मं खचक्र गदा
यूकं वनमासा विहृषितं ॥ श्री वत्सांकं जगत्सुं श्री पतिं श्री धनं हतिं ॥
युधमा मिमहादवं श्री धर्म कर्णं जगती पतिं ॥ नामा नानि संकीर्त्या
हृषितं रुसमा पूया ॥ वाया हं पापक मीहं ॥ अय मं धादि ॥ ॥
मयुगं सखा न न कुर्या ॥ मयुगं वि सक्तं ॥ सा हान वाय ॥ दव दक्षिण मं
वाङ्मं पूजा दक्षिण मं ॥ अहिष क ॥ श्री धी धी दी ॥ युग म वि सक्तं वाय ॥

उं उतिष्ठ दव (गमविन्द न न्या (गम पादि हि ॥ सहा ग कुरु दव ता ॥ स द्वा ॥ स्वर्ग
न मिमिहं गव ॥ उं स द्वा य स द्वा ग्वा ना य स द्वा य गय स द्वा वा य (गम विन्दाय न
धान म ॥ वि सक्तं ॥ न्या स ॥ सूर्य सा द्वा य ॥ वाङ्मं वा हा यं ॥ ॥
वृत्ति श्री कृष्ण ना कृष्ण वृत्त स मा कं ॥ श्री रुद्र कृत न ॥ ॥

॥ नमो नमस्तुभ्यं जगन्नाथ देवकी तनयः प्रभो ॥ वसुदेवात्म जानंते यशोदानन्दवर्द्धनं ॥ गोवि
न्दं गोकुलाधार गोपीकान्त नमोस्तुते ॥ ॥ प्रार्थना ॥ नमो ब्रह्मरूपिणि ॥ लक्ष्मी कलत्रं शतपत्रं नेत्रं पूर्णं
चतुर्भुजं पुरुषं तमिदं ॥ कारुण्यपात्रं कमनीयगात्रं ॥ वन्दे पवित्रं वसुदेवपुत्रं ॥ मंत्रहीनं ॥ अपराधं ॥
तन्मन्त्रं हि यशो देहि ॥ भार्गवं भगवन् देहि मे ॥ पुत्रां देहि धनं देहि ॥ सर्वा कामान् प्रदेहि मे ॥

ॐ नमः शिवाय ॥ के सा ग नि ख रा सी रं ना ना धा उ वि चि ष क ॥ ना ना विः
 हं ग सं घ ष्ट सु स्का नं ग ल स वि त ॥ १ ॥ के सा ण प र्व त या ला प त स वि
 श्व क णी (गी त्री र्ण क र ग थि द प र्व त धा र सा नून क म न नी त (ग तू न
 ह त धा र धा स धा स पि वा ता वा द वि रु वि चि ष न ही द नून ग म
 ग त यं दि मू ढा न ही द धा स पु म थ ग ल प नि स न व स ल र्प वा द ॥
 ॥ सिद्धि वि प्रा ध ने र्ग ष्टे रा दू म न्री ग कि न्न रे ॥ हं ग कू ति त रा वा ये
 स र्व द व स मा वृ त्ते ॥ २ ॥ सिद्धि ग न नं वि प्रा ध न ग ल नं य दू ग ली

नं रा दू स ग ल नं ना ग ग ल नं कि न्न न ग ल नं स व ल र्प वा द न ही द
 नून ग पु म न प नि हा रा ण द नं सा ता द स वा द द का द व सा क न दू
 स वा द नं सा ता द स वा द ॥ न चि व र्णि म हा का ल ग (ल ण
 य त्रि का त्रि त ॥ तू स्का नं सु र्वो सी रं (गी त्री पृ क ति र्ण क रं ॥ ३ ॥
 न चि व र्णि म हा का ल ग (ल ण आ दि न प त्रि वा न दू का मू ढा न वा क ल किं
 दू न सा ता द स वा द थ थी द सा ता य मा न रु स वा द के सा सें स थ व त्रा स न
 न न च न वि श्व क रं स ग्री म हा द व स्क् ग्री (गी त्री न हा थ जा र त र्प

उत्रससहाकयूयाडाविननियाकरना॥ ॥ श्रीगोर्गुवाच॥ नवग्र
 हवर्गं कर्मकथं पूजाविधिप्रण॥ किं धर्म किं मूपायाहि किं रुतं बुहि
 कन॥ धनश्रीगोत्रीनविमनियाकरुप्रहहस्वामी नवग्रहयावते
 धर्मविधिगथपूजाविधिगथधधर्मकुदूउपायकुदूगधिहह
 सलायदुहर्गकनआह्लादसविश्रादूनधर्केविननियागे॥ धर्मश्री
 गोत्रीयाविननिहसश्रीमहादेवनआह्लादतं॥ ४ ॥ श्रीशिव
 उवाच॥ सर्वसाकायकायसर्वनागकयायव॥ जनामत्रलदूर्कीन्धवधव

अननानन॥ १ ॥ रुसंदनीकनदंरहकसाकपनिसउपकात्रया
 तदकनागंरुतकयागआथसृष्टुत्रुताग्यआदिबंधनरुतकयाग॥
 ॥ इतकूडादिनामानांविनागायउसुन्दनि॥ सर्वयुल्लापलवाय
 सर्वयापदयायव॥ २ ॥ रुनींइतकूडादिननानात्रागंरुतक
 यागरुनींनूनंगयुल्लापयागदकपापयुतकयाग॥ नव
 ग्रहवर्गस्तानंकथयामिवनानन॥ ३ ॥ नवग्रहयावतविधिस्त्रा

नृविधिद्रायकनरुदहसूचविधकं श्री ह्म्वनन आरूदगं थगद
 दाडाहनाकं ह्म्वनीनविनगियाक ॥ ॥ गो र्थवाच ॥ आदित्यसाम
 गंगान वृधहुकगुनूस्तथा ॥ धनेधुनयहागादूकगुलिवनवग्रहा ॥
 ८ ॥ हनाथ आदित्यसाम गंगान वृधहुकगुनूगनिधुनगादूकगु
 थगनडाग्रह ॥ ॥ गो र्थवाच विधिपूजां ह्म्वना शंकथं हवता ॥ १० ॥
 थपनिमस्तानविधिपूजाविधिगथनयपदार्थकुक्कुहाऊनविधि
 गथ आरूदयसन्नरूहविश्रायमातृधकं विनगियाक ॥ ॥ ॥

ह्म्वन उवाच ॥ सर्वसाक्षयकात्रायस्तानपूजायथविधि ॥ कथयामिव
 नाताहं ह्म्वन सर्वकाममम ॥ १ ॥ धन ह्म्वनन आरूदगदहपिथ
 सूचविधकं गूनगलाकयनिम उयकात्रयाययात ग्रहयास्तानपूजा
 विधिद्रायकनरुदहसूकनादकनधक आरूदगद ॥ ॥
 आदोमार्मगिरमासिस्तानपूजां समाचरेत् ॥ आदित्यादिकुम्भनेवयथा
 नानपूजयत्सदा ॥ १० ॥ ॥ द्वापौ धर्मनियेनिभन मार्मगिरमास
 धायथिं तावत्सं निभ आदित्यवात्कुक्कु निभस्तानपूजा आत्रं हया

१२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

5

पुनर्क कृत्वा विमलगा मुलाजना ॥ नकुचन्दनगंधं धूपं कन्दू नमव
 व ॥ १२ ॥ वाया गुम पुनः आदृश्यक निर्मलरुसं चोद सि जल तं
 वास यूजा याय नकुचन्दन नसाक वत कन्दू न धीया नसाक व मु धूप
 धने ॥ ॥ नकुसा लिङ्ग क ॥ ॥ १३ ॥ खलु घृणं तथा ॥ नकुपुष्पं च दा
 तवी नकुयज्ञाय वीतक ॥ १४ ॥ स्नान वा क न पूजा न यं ध्वं वा कूथं
 स सा खलु थ गुपुका न ल ने वं श का य १ पा न व याय आदू स्नान आ

दूजुजमका काय ॥ ॥ नकुपुष्पं स मा लिखा मरु कं न जा स कं
 पूजय कृणुद वं न नका इ नकुवास स ॥ १५ ॥ आदू यलं स्नान वा य
 दथू स कं न वाय थि स द व या द व धी सूर्य पूजा याय ध ने धा न या
 य थ म ग न क रु या डी नू ग ल न ला व न या डी ला न थ ॥ ॥ सफ पुनं ग
 सं यूकं विमानं च व पा व न ॥ नकुपुष्पं ध वं न नं द द य वि न यं स दा ॥ १६ ॥
 धी सूर्य आदू उ न आदू व मु न ति स वि षा क फा स न स न जा जल यं

तथा यद्विगु गु विमानस विष्ठाक द्वा दृ प त स्तान्नाभ विष्ठाक धकला
नय ॥ न कय द्वा स न द व मूर्द्ध रुक्त न धन य न ॥ नून न विधि
नाद विष्ठा ऊ दा दि त्प क दि न ॥ १२ ॥ द्वा दृ प त आ स न या रु वि
ष्ठा क ध क थू गु सि क ध न ध्वा न या दा व थू गु ति वि धि न आ दि त्प वा न
कू दू २ पू जा या य रु द वि ध क ष्ठी श्व न न आ स्ता द ता ॥ न ग द्वा
न पा प दि ना श का रि ध र्म य न र्म नि प ना ग न श ॥ सा क ग थ स्मि न्त्त

नमो बुद्धं वै स्वर्गपदं मादृकं न तथैव ॥ २० ॥ गृह्णामन्मृषान्धगुलि
धनमदनिडाडां मन्मृषाया पापदकां कृष्णवधनायदलाच्छडां जग्गी
शयीशां कृष्णयिडां धगुलिसाकसलगां मानिरुयाडां पत्रसाकस स्वर्ग १२
लाठावमादृकशयिडां ॥ सर्वयद्गुरुत्तं तेषां सर्ववदरुत्तं तस्य
न ॥ सर्वतीर्थरुत्तं येषां सर्वदानरुत्तं पदं ॥ २१ ॥ ध्वजगयाकपः
निस्रं श्रुत्वा भवादि यद्गुरुदकया जायारुत्तं साकधगुर्वदन्तु काकरु

लताकपृथ्वीमदक तीर्थ स्वकाटि त्या तीर्थ स स्नानयाहायापूष्यरुस
 लायदू दु लादि किमषुगुनि महादानवियायापूष्यलायदू ॥
 वक्रंदाविष्णुनृदाजी पूजनस्थापियरुसं ॥ ग रु सं स र ग म रु आदि एव
 ग मा च न र ॥ २२ ॥ गृह्णमनूष नशी सूर्यवृत्तयाष्टा उा न न वृत्ता
 विष्णुमहादेव वृंदादि द व पूजायाहा न गुणपूष्य रु म पूष्यं ला ग उा
 निउा ॥ ॥ कृष्णवान् मृगात् कृष्णं वागवान् मृगात् नृज ॥ कृषानि

१३

श्रीवर्तायाति निर्द्धनाधनमाश्रयात् ॥ २३ ॥ कृष्णानीक्षया कृष्ण
 गं लाष्टा ना नात्रा मयनिस भूने गं वा गं लाष्टा नपू स कया ता वरुता
 मया नपू स क ता वं रु ष्टा दं त्रिदु क्रयां द त्रिदु भा या उा धनउा न रु
 आ गु गुं ध म रु हा रु गु नि वि शि उा सूर्यवृत्तया कपनि स्रध कशी महा
 द व न पा र्त्ती या ष्टा नं आ हा द य क र रु वा ॥ २४ ॥ ॥ इति श्री महादेव
 यात्री नि स वा द श्री आदि त्या दि वृत्त वि धि क थ समा र्क ॥ ॥

१४

रुं नमः श्री स्वस्ती नी देवी ॥ महादेव ग (अ) म कू मान पावति गंग म धा
नमस्कात्र या हा वाचन कर्न धक वास मू निध्वनं आ हा दय कत ॥ वास मू नि
ध्वन हात रु य धि स्ति न ध्व ख द हा ध क जि न क उ मु क क थ स्त स्त नी व त या
ख द हा ध क वास मू नि न रु धि स्ति न रा जा दारी ॥ हा स य यू ग स कू मान नः
महादेव ध्व न क के ला स प व स स महादेव आ न न न वि श्रा क व न स थः
ख कू मान न महादेव ध्व न ॥ कू मान न ध ल द व या मि न त उ ध न दे व
महादेव स प रु दे व सो कर्न मान य या क थ स्त स्त नी व त या ख जि व त

कन

स अति न स रु न क त या न स न कि त क स वि श्रा य मान ध क कू मान न महा
देव ध्व वि न गि या त ॥ महादेव न आ हा द त रु कू न ध्व व त या ख द न रु
न मा जि न क न ध क आ हा द त ॥ हा स वि मा न न स न क मू वि द त थ मू वि
धि थी स प क नि रु नी थ या मू याना म स ति ध क स गि व ता स्त मि रु कि या हा
वा द ध क महादेव न कू मान या त क न ॥ पू र्व रु म या रु न न थ मू वि या मा ना
म द ग थ ख जि न क न रु न न ध क महादेव न कू मान या त क न ॥ थ मू वि ध
न मा ख सि स मा उ रु त वि श्रा क व न स ख दि वा ता ख सि सी स त या उ म न मू

२

ASHA APPURTEN

2105

I

ASHA ARCHIVES

एग या यधून काउ वन दा सख रिवा ता स र त ति सा न ख रि न या उ खि हा ना उ
 त न ख दा ओ धू म र्क ता न या उ थ मृ षि न स खी स तूं तूं यां उं र वा व सा का यू ने पू या
 उ मृ षि या स्त्रा न र्क धू क य या य धून का उ वा ता या थ स स व ल ॥ थ मृ षि न
 वा ता स ख रि न या ना थ र त रि स सा न ख रि न या उ खि हा ना त ल थ कि स तूं तूं
 त या ना ॥ पू गी र उ डा ख डा उ व स ता या उ थ मृ षि न मा वा या क या उ व द प
 व या उ आ न न न क उ वा ॥ उ मा वा उ डा व क उ या उ क ला त स न ता उ क न हा
 किं स ल व गि हा न क न ग डि त पु ल क न पू गी क क वि ल ध क क न ॥ ह स ल उ गि

3

क न थ पू गी ल हि उ न क ल न क मा न थ क ल उ डा डा डा वि त स ल उ गी न र
 ल सां वि धू ध क थ यां उ को लें व स ता या उ रु या थ न हि ना उ ग न ॥ धू क क क
 ष की जा गं यू जा या य धून का उ डि म नें दू क क क म प्रार ध क ना म क न ॥ पि ता द
 र्क ति रु ल पा ग न या त क स ना द र्क ति नू न पा ग न या त ॥ थ उ न स र म प्रार
 गु क प क या व लु मा जा उ थं त व धि ना उ उ ल म र्क मृ षि या क दि न कं डा
 उ डि यि हि या त ॥ थ मृ षि न म प्रार रू हि या य धू र्क ति वा धा त न ल थ म मा
 रु या ग र ह स द त द ध क म र्क न क ध क धू ना स क मा न थ ल न आ ना स क मा

4

नदाविल जिनासत्रादं जानकर जिनासासकायक प्रवृत्त ॥ जानक मया
 ननाभी मुख या तेषूकूकूतू काया हाउ नाम कुता ॥ नडाकुग प्रवृत्तान
 नडा नाकुध कनाम कुहा गाथडा नाम कुयधुन नति ववृत्त तीर्थ सभाउ
 इतडा न ध कडा न ॥ धन ति वृत्ता कुन जानकर पिद दस ति वृत्त खात कु १
 सन जात्र खन ॥ क्रम दद स ति वृत्तान नर जिम निद दस ति विवाहा स
 जे नाव काडा वन ॥ विवाहा या थ धून काडा तीर्थ डा न विक्रना या हाडा मा
 म स्र जा कर दूना डा न म स्र का नया हाडा जि तीर्थ डा न कु स निदान या डा ध

क मा म या न हा स ति मा प्रन कु डा न म गे युता ध क गन कं डा न ॥ नडा बाऊन
 वृत्तान तावडा स ति रु मा रु जि थ डा कं डा न ध क र निम जा ग न कं डा न ॥ वृत्त जा
 मिनाम द म या बाहिनी र मृ न त सिन मू सि या हाव य स्नान या मान वन (म
 या (म मा रु डा न ॥ (म मा रु या का म जाना या स ति विष्णु गान ति हाडा (म
 मा रु न ध निखा न ध निन या डा न व दृ ४ ख सि या ता कारं म थी द द व न त्रि त ध
 क र वा या डा या ता थ (म मा रु थ थ वान व न स म हा द व के ता स स भ्रान न दः
 विशा हा डा म हा द व न भ्रा रु द न हा या व गि हा न म कु य नि नि स्र स या का

यथाहादिआदि काविषय भक्त आह्लादत ॥ हाक मान हाग (लभ) सुनान सुम
नहु शाउावतउा फ्रयाग निर्विघ्नयददि काविषय भक्त महादेवन ग (लभ) सु
मान निष्कलं आह्लादत ॥ कमान नम्र सखा गयाउा सुमन हुन उाने भक्त
न ग (लभ) खायाउा काहाउा ॥ थ (थ) ग (लभ) खाउा खेहाउा कुन हुन कुत
यात काय खया भक्त ग (लभ) आह्लादत कमान न सिद्धि नाहून भक्त खया भ
न ॥ थ (थ) ग (लभ) खायाउा आह्लादत कुन जित वृद्धि सेहाउा काव भक्त भक्त ॥
कुन भक्त दवया थ (थ) कुत कुतयात कुतयात ग (लभ) विष्णु गन सुमन कुत

यात सुमन जा कहुनाउा नमस्त नयाय भक्त भक्त थ (थ) भक्त मान सगायाव
कुन ग निर्विघ्नयददि काविषय भक्त कुन ग (लभ) यात हात ॥ थ (थ) कुयाखः
हुनाउा ग (लभ) नहुन हुन भक्त याहाउा खोहि कुयाउा महादेव विष्णु के थ (थ)
उाना ॥ नाम वरु माथा ह थ (थ) याउा सावा कहुनाउा नमस्त नयाय ॥
महादेवन आह्लादत हुन ग (लभ) जिन कुन ग वरु ग (लभ) दविषय कुन कुकाम
नायाहा भक्त हुन ॥ महादेव या आह्लाद हाउा ग (लभ) न विन निया ग (लभ)
सुदवया भूधि पति कुतयात सुमन सुदवया थ (थ) कुत कुतयात सुववृश

यं क॥ गंगमसंखननूर्यवियपतिकाननवायकसुमर्ध्वयडाखानकाय
 धूनेशाहाउविया॥ मरविग्रनेवयकायमाधकायेनूकृतनयूजायायधक
 महादवैयार्वतियातकन॥ गलमनन्दिहमीमहाकातकमातधूमादवीव
 युधतिमयुतसवाहडायधकमहादवनयार्वतिकन॥ नूत्रादिकखादि
 उपनिषद्वंदयनपाडायूजायाय॥ हाकृष्णाद्वक्तुवियडादस्कन्दवंदय
 नपाडावक्तुवियवंदयनपावशापनियनसपूजायायधनपदपाडागुविनी
 ननवान॥ भूसाकखनसिंहकृखनमगायकानाहाननखमसरेडजाना

११

गयाडाकुकानवरवियाकुकानउमाद्यस्यूनाविष्ठाकफूमूननसुगदनंधक
 महादवनयार्वतिकरु॥ धधयानदवदेवीशाफुसहनदूवायानजिधाना
 मावंदयदयाडायूजायायधगिनसंपूर्णरूपीधकयार्वतिकन॥ नमस्कृप
 दयाडाउयांजप्रितयनमस्कृदयधककापदयधूनकधकयार्वतिहा
 तधतखडहापावमिन्नानन्दयाकास्वर्गमत्यवातानयाधकनस्यनन्राइ
 दतजिकायननानैडायकनिमिळितधधर्मदनधकधर्मदन॥ भगव
 शायामाधकायभगविकुधमनयाननयायशायाकाययातनूधीनविय

१२

धकनसंनवगद नयाग माउ हुना ॥ धवुयका ननैवुग दडाया हव नस
 धवुगयापुगाउा कूमात्र नमामं नमं स्कात्र यागा ॥ पावतिन न्रानन्द निष्कम
 याययक रंख ह्ना डाया न धनं निन सडाउा कूमात्र नमामव वूभूपा स्वर्न
 मस्कात्र यागा ॥ पहाद वन न्रा ह्ना दन गन ॥ द्दौ पूजा याग कं न्रन पूजा याग
 मातधक वरपु ग्ना दविन धर्ग वरपु ग्ना द वडाउा कूमात्र नजिन वरपु ग्नाः
 द नो यधून धक मा मया कूडा नं धां ले ॥ पावतिन धं र हा खर न याउा कूमा
 त्र याग न्रधीत मा धवित कूमात्र नका याउा जीत सयकान याग कायं मा मं

73

निष्क न्रानन्द यागा ॥ हना पा वतिन म हाद वर कं न नथवग या ख म व याग क
 नं गडा नाध कं न म हाद वन गडा श्वध कं न्रान्ध विना ॥ पावतिन नात्र द
 वा डाउा कूमात्र निन म हाद वर कं न धून कू लया ल म कू म लु ल स का हा
 डा डाउा ख ह्ना नीवुग या क थ के डाउा वुग विधिक डा म कू म लु ल स का हा
 ना ॥ कडा ४३ खि क्क थ ख क नं धक नात्र द क कडा थू याउा ह्रन धति ख द नडा
 नात्र द म् निवना ॥ पिथी स नात्र द का हा विद्या डाउा म नूख यातिन क निमिर्हि
 न नं स नाय ना क य निष्कं न सूतडा ४४ खि क्क थ द न ह म क्क ला क नै र्गमः
 मा ह्ना ४४ खि ह्ना न्द धक क न थ गं ख द नाडा नात्र द र्गम मा ह्ना वा ह्ना सडा न

74

मूढः (गम माह) धक सन न धा (ध) न युगा जाडाखाय ध दाडा सा नडा न नान दध
दडा (गम माह) न काना ॥ कव पा ल के का न न थ धि ६४ खि या क वि छा हा ध क ड
हा पा दू ग ॥ जाडा का य ति स वि छा य क न ॥ आदि द व या क व ग या ख ६६ डा ड या
कि ग क न ध क डा या गु ति स व र्ग स क न ३८ जिन कि ग क ड कि नू ति ६४ खि ह
डा या नि ति नि नि न व र्ग या ख मा य कि क न डा या ध क धा त ॥ (गम माह) न वि न ति
या ग कू द व पू ग या य ध व ग हू नान द य क न जि हा हू न थ व ग या ख ६६ न द
त हा हा धा ध क न धा र ध न आ हा द य कि हा ॥ व र्ग या ना म स हू नी कू व ग या
हि न ३८ न व र्ग या ना म स धा ध क न धा र ध न ॥ द्रा पा द्रा हा त को क हा

१९

डा हा का जिन कि ग क न ध क ना म द न क न ॥ ध ग ख ६६ ना डा न हा या डा (गम माह)
न ना न द न म हा र धा त हा ना न द कू स ख कि वि छा हू न ध क धा या र ध म
न क हू क जा डा डा धा त ना ग डा न थ (गम माह) न धा र धा त डा धा म स व ग या
ख हा हा डा र धा ॥ थ धि ६४ खि न जि ग कू न कि डा हा व या डा लू या क ड दि हा
धा ड का य ति या ग र स ना धा डा ना न द स व र्ग डा ना ॥ (गम माह) न धा र धा त डा धा कू
डा न ना न द न म द धा हा (गम माह) न नू ति धं धा न थो या डा डि कू स सि हा धा न
धू न म दू धू न क म धू कू म दू धू कू शो या डा र धा न ॥ (गम माह) न न द ध धा डा डा
का य ति धा र धा न न धा ना न द न धा क ड दि स हा धा (गम माह) न हा या डा धा र

१०

धन्यश्च वृत्तधक कउदिकायाउवृत्तदनयातमातकातादनाकरनानद
 नकहाथुवृत्तदनयातमातकाविकायात॥ धीषभुक्कयापूशुमासिकूद्र
 (गममाहनस्वसीसमादकूलतानन्रूपराउनायराते(गममाहस्वडाउन्र
 प्परागनननथ(गममाहथूकोउतिदृ४ खिमदूधकन्रूपरायनिचिथिमाहा ११
 उ।मादकूलधर्मवृत्तजान॥ ध्ववर्ननिमृक्तं स्यादाउत्रकिंनयत्रमभ्यया
 यावनगतकिंशायूकनसिपूद्रिक्कूद्रधर्मदनयातमातकादयकाउवृत्तदन
 यातउ।न(गममाहनन्रूपरायनिस्वडाउकिंस्वरकायदियाउश्वामनना
 यभाकयनिस्वराभाउ।नोपरागधक(गममाहनधाता॥ उर्वशीभ्रादिनडि

धनिवृत्तयाययातधनयाहाकिंथननायंवृत्तदनवायाधकवाडाउ(गममाह
 न्रूपरां नायं विधान(धं वृत्तदन॥ कायननानंउ।यमातधकभाभीषायाहा
 डा(गममाहनस्वानकूत्रन्र्यवित्रधर्तधूनकाउ।महात्रिधितयाखनकूल
 ध्यानिउ।वदमकुनयूजायातन्रूपराउ।(गममाहचिथिं वृत्तदन॥ ध(धवृत्त
 धूनकाउ।धिथिं स्नानवियाउ।न्रूपरायनिस्वर्गउ।न॥ (गममाहयामनसभ्रा
 नदनकुंउ।याउ।न्रुतिधियापास्नानज्जमकाग्वयग्वमनउ।नाऊयागवा
 तितयाउ।तन॥ ध(धनउ।नाऊयाततयाउ।(गममाहनभगकिंयामाधइ(ध
 मास्वत्रधमनयावनयायधूनकाउ।नासियधूनकाउ।धानयत्रमनउ।राउ

उायाउा मा न स न ताउाउा न (ममाहून सा पा ख ढाउा काय इ न वा हा य न ॥ न
नाऊन मा म न म स्का र या ग मा म न क स न रु य मा न ध कं आ गी र्वा दि वि न ता द त्व
कुउा जिउा या (म) वा हा ध नि ना प ना त ध कं (ममाहून स न ॥ व जि ध नि सा घ न
नउा नाऊन क न न क धू न काउा ना सि व काउा न त ॥ न म स या वा च कि वा ख
न क ढाउा चान नू न उ द य वं रा स नउा नाऊ द ढाउा मा म या कं आ ह्ना का या
उा न्ना न या नउा नं गं म स स्ना न या हाउा नउा नाऊन व क र्म या हाउा वि (ध्वं
न ध्वा न या न म य गी जा प या न ॥ थ (थ वा ढ वं न स ग मी स ह नि ह न उ त्थ रि
याउा स र्म म य पा ना न या थ कूल स न आ ह्ना वि त ह्वा न्न ल क न कि क म हा

१५
१५

ह क या न जि स्रं शु ष्ठ रु य धू न क क य ल व न हान ध कं आ ह्ना वि त ॥ थ व न स मि
खो क ढाउा मा न वि (ध्वं व न ख ढा व न व नाऊन ध ल हं य न प सा न क ल पा ल स
शु ष्ठ रु य धू न गा ध क स्का र या न ॥ वि (ध्वं स न मूर्ति न म स्का न स र्म म य पा ना न
य वि श या क न्न न म स्का न ग (य स कू मा ल थ य नि व वृ र्त्त न म स्का न ॥ सा न्न
शियू ना स्र न म र्मा च काउा आ न न न या हाउा चान थ या वा न्न ल नू शु न कू त
काउा पा य रु ग काउा ना ना म सी मा ना न का खा याउा व की स या र्वा नि यूर ख धू
नू गु लि व नू या हाउा व की स त स्त्री या यूर ख य यू का या न न व नू या हाउा वि
शा क न्न थ थि ड न्न जि न न म स्का न च ल स र्म नू नि स र्म य कू पा गु नि ग नू

२०

29

२२

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कनकाभारतमामलकम् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 विष्णुं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दूतायातदुत्तिष्ठानदुत्तिष्ठान ॥ दूतायातदुत्तिष्ठानदुत्तिष्ठान ॥ दूतायातदुत्तिष्ठानदुत्तिष्ठान ॥
 तिराननडावपुष्पलीकायकलकात ॥ दूतायातदुत्तिष्ठानदुत्तिष्ठान ॥ दूतायातदुत्तिष्ठानदुत्तिष्ठान ॥
 कृपनिगमवन्नयदाधस्तदूतायनिष्पन्न ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दधकधस्तधस्तदूतायाकदं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 पूरुखधकाधकधस्तदूतायनिष्पन्न ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

धी का पाठा फू का रं वि या उ। हा का र्गि का न त म का त ॥ भव न ना जि न या इ
 भव ना कू पा नि सं या हा वा हा उ। पु नि जि थ र्थि र्थि सी त रु य का न व ध क
 न व ना ज ना ग हा र जि ना नि रु या जि य नि नि क स्त रु रु या वा न व न स थ
 धी च खू सि सी त रु य का न ल नू या दू ति कू डा ध क न्वा न ॥ रु दू या ना नू २७
 था इ ति वू डा न उ ना ज न क य नि सा मि या च क ध क हा हा डा दू या य नि
 स न कू वू या डा रु न थ व न स ग डा र्ग न न रु स डा या डा म हा नू च का न न
 स डा या स मू र द थू थ न व न स ग डा र्ग न न डा या डा दू ति हा क जा या डा
 व स धी कू ति डा न ॥ दू या ना भव न या पु ता र्ग नि व ता क स वा स या ग ॥ ६

व द्ध धी कू ति डा हा डा सा रि नी धा या खू सि पू खू ति वा र्थ वा न दा वा त डा
 डा य नि स न खू सि म द्वा क ख दा डा नू ति क उ मू क वा त थ य नि स न धा त थ
 र्थि नू धा र्थि र्ग न व कू र्ग य म न दा थ नि ख न धू न ध ख ना जा या र्क क न डा नि
 नू या ध क नि न्ना या डा स ता स वा द य नि र्क धी त द्वा पा नू ति र्ग न न द्वा क
 सा रि नि खू सि नू डा म द्वा क ध क दा वा त डा डा य नि स न स ता स धा त ॥ ना जा २८
 न स ता स वा र्क हा त थ र्थि द क उ मू क ख द न म न दा नू डा र्ग न धू ना क जि
 स न सा न डा न धू ना ध क सा न डा न ना न खू सि म द्वा क ख दा डा थ खू सि
 स कू था न ख वा ना डा सा ध क हा त ना जा या नू द्वा र्ग ना डा खू सी स वा ना
 डा सा क व न स थ पा पि नि थ स मा न ध क का या डा हा क ति कू ना खू सी सी

27

२८

विस

शनभाल क पापिनिथ जा क स रा ह्या खा ल रा ह्या ने का सि ना निडा ध क हा
 दा उ पा क म विं डान पापिनि न खा न सि ग्र ध क व र दू न डा ना ध व न र भ्रा
 का भ न धा ल व ग नि दा या दान न य म द ध व न स पि थी स हं लं कू ति रा हां थ
 बा रा उ पा उ जा व म हा क रू या उं क न ध म नि दा या दान थ जा क न न य म दू ध
 क धा ल जान लि रु न ॥ पापिनि न थ थ धा उ गा या उ जा ग म रु उ ख दा उ थ न
 ति मू नू र य ध क रु य त न व र म रु म उ पा उ न ति मू र य न थ थ कि क गा द
 न य म द या उ पापिनी न मि क य का थ उ रा खाना उ हि स व ना उ द ना पा
 पिनि न र वू की स रु रु य मा ल व क न न धा न या दा रा हि स व ना मी स दू व थ थ य
 मा ध वी या हा व या दा रू ध वी सु ए रु वि द्या ता रु व म् नी कू का ने नां रा उ
 या दा जि स रु रु रु य व न का उ ध क भ्रा द्या वि रा रु द वि क ल पा ल रु व न क

27

[illegible]

३०

[illegible]

१६२४ मिनि ५ वनासुपनरय दनु ३ कृष्ण सुमि
आदौ समतपीव ता निगम नंवा मृगा कांचन वैद्यो हि हरण जता मु मराणां सुग्री वसं भाषणं वाली निग्र
रांसमुद्रतरांत को मुदीदा